



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 72] नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 21, 1979/फाल्गुन 30, 1900
No. 72] NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 21, 1979/PHALGUNA 30, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation.

वाणिज्य, नागरिक आपूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

निर्यात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, 21 मार्च, 1979

सार्वजनिक सूचना सं. 29-ईटीसी (पीएन)/79

- विषय :—(1) 1-1-1979 से 31-12-1979 तक खुले सामान्य लाइसेंस-3 के अन्तर्गत सूत, ऊन और मानव-निर्मित रेशे से निर्मित वस्त्रों का संयुक्त राज्य अमेरिका और पूर्वी योरोपीय सङ्घ्य राज्यों को निर्यात करने के लिए योजना।
- (2) 1-1-1979 से 31-12-1979 तक खुले सामान्य लाइसेंस-3 के अन्तर्गत सूत, ऊन और मानव-निर्मित रेशे से निर्मित वस्त्र, उत्पादों का नार्व को और सूत और मानव-निर्मित रेशे से निर्मित वस्त्र उत्पादों का फिनलैंड को निर्यात करने की योजना।
- (3) खुले सामान्य लाइसेंस-3 के अन्तर्गत सूत और ऊन और मानव-निर्मित रेशे के कुछ वस्त्र उत्पादों का स्वीडन को निर्यात करने के लिए योजना।

[मिसल सं. 2/26/78-ई1].—उपरोक्त विषय पर वाणिज्य विभाग की सार्वजनिक सूचना सं. 2-ईटीसी (पीएन)/79 दिनांक 1-1-79, सं. 3-ईटीसी (पीएन)/79 दिनांक

3-1-1979 और सं. 22-ईटीसी (पीएन)/79 दिनांक 22-2-79 के साथ पढ़े जाने वाले निर्यात (नियंत्रण) संशोधन आदेश सं. ई(सी)ओ, 1977/एस्म(105) दिनांक 21-3-1979 को और ध्यान दिलाया जाता है।

2. स्थिति की पुनरीक्षा करने के पश्चात् यह निश्चय किया गया है कि वे ऊनी वस्त्र, निर्मित वस्तुएं और सलाई से बनाए हुए ऊनी पहनावे जिन का आबंटन ऊपर उल्लिखित सार्वजनिक सूचनाओं में निर्दिष्ट ऊन और ऊनी वस्त्र निर्यात संबंधन परिषद् द्वारा किया गया है, उनके लिए पोत परिवहन बिलों पर आवश्यक पृष्ठांकन सूती वस्त्र निर्यात संबंधन परिषद् द्वारा किया जाएगा। इसलिए, ऊपर उल्लिखित सार्वजनिक सूचनाओं में निम्न-लिखित को कीटिका 10 में पहले वाक्य के बाद जोड़ा जाएगा :—

“किन्तु, ऊनी वस्त्र, निर्मित वस्तुएं और सलाई से बनाए हुए ऊनी पहनावों के लिए पोत परिवहन बिलों पर आवश्यक पृष्ठांकन सूती वस्त्र निर्यात संबंधन परिषद् द्वारा किया जाएगा।”

3. पूर्वोक्त के ध्यान में रखते हुए क्रम सं. 70(5), 70(6), 70(9) और 70(10) के सामने प्रदर्शित इन मद्दों की विद्यमान निर्यात नीति इस सीमा तक संशोधित की गई समझी जाएगी।

का. वें शेखाद्री,
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION

(Department of Commerce)
EXPORT TRADE CONTROL
New Delhi, the 21st March, 1979

PUBLIC NOTICE NO. 29-ETC(PN)/79

- Sub :—(i) Scheme for export under OGL 3 of Textiles made from Cotton, wool and manmade fibre to USA and EEC Member States from 1-1-1979 to 31-12-1979.
(ii) Scheme for exports under OGL 3 of textile products made from cotton, wool and man-made fibres to Norway and from Cotton and man-made fibres to Finland from 1-1-79 to 31-12-79.
(iii) Scheme for export under OGL 3 of certain textiles products of cotton, wool or manmade fibre to Sweden.

[F. No. 2/26/78-El].—Attention is invited to Department of Commerce Exports (Control) Amendment Order No. E(C)O, 1977/AM(105) dated 21-3-79, read with Public Notices No. 2-ETC(PN)/79 dated 1-1-79, No. 3-ETC(PN)/79 dated 3-1-79 and No. 22-ETC(PN)/79 dated 22-2-79 respectively on the above subject.

2. On a review of the situation it has been decided that in respect of woollen fabrics, made up and woollen knitwear for which quota allotment is made by wool and woollen Export Promotion Council as indicated in above referred Public Notices, necessary endorsement on shipping bills will be made by the Cotton Textiles Export Promotion Council. Therefore, following will be added after the first sentence in paragraph 10 of the above referred Public Notices :—

“Necessary endorsement on shipping bills will, however, be made by the Cotton Textiles Export Promotion Council for woollen fabrics, made ups and woollen knitwear”

3. In view of the foregoing the existing export policy of these items appearing against S. No. 70(v), 70(vi), 70(ix) and 70(x) shall be deemed amended to this extent.

K. V. SESHADRI,
Chief Controller of Imports and Exports